मैं उस प्रभु का सेवक हूँ जिसे अज्ञानी मनुष्य कहते है
स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 81 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी बुधवार 29 नवंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार

पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

सुरंग में फंसे 41 श्रमिक सकुशल बाहर निकाले गये

नई दिल्ली :-उत्तरकाशी की सिले यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों सफलता पूर्वक बाहर निकालने में बचाव एजेंसियों को बड़ी मशक्कत के बाद सफलता मिल गयी है और उन्होंने जिंदगी बचाने की जंग को जीतने में सफलता प्राप्त कर ली है। सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बचाने लिए केंद्र और राज्य सरकार की टीमें जी जान से दिन रात जुटी हुई थीं। मंगलवार सुबह टीम को सफलता मिली और सभी श्रमिक सकुशल बाहर आ पाए। खास बात ये रही कि अमेरिकी ऑगर मशीन फेल होने के बाद हाथ से खोदाई करने वाली रैट माइनर्स की टीम खेवनहार बनी। इसमें भारतीय सेना ने भी टीम की मदद की।

रैट माइनर्स एक विशेषज्ञों की टीम है जो खोदाई में ऐ सपर्ट होती है। एनएचआईडीसीएल के एमडी महमूद अहमद और उत्तराखंड सरकार के सचिव डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया, यह टीम एक मीटर प्रतिघंटा के हिसाब से खोदाई करने में माहिर है।

बता दें कि 12 नवंबर को दिवाली के दिन उत्तरकाशी की निर्माणाधीन सुरंग में भूस्खलन होने से 41 श्रमिक अंदर ही फंस गए थे। 17 दिन से सभी बाहर निकलने की उमीद लगाए रहे। लगातार कोशिशों को मंगलवार को सफलता मिली।

साल के पहले मावठे ने बढायी ठंडक, बिजली गिरने से युवक झुलसा

वर्षा के कारण मंगलवार को रही ठिठुरन, दिने हुई बूंदाबांदी

सिवनी यशोः- पूरे प्रदेश में पहला मावठा गिरने का क्रम पिछले दो दिनों से जारी है प्रदेश के अनेक जिलों में जोरदार वारिश होने का अलर्ट जारी किया है वही जिले में सामान्य बारिश हो रही है जिसकी रबी फसल के लिये किसानों को दरकार थी। रविवार से आसमान पर बादलों का डेरा डला हुआ था सोमवार को दिन भी बादलों ने आसमान पर अपना डेरा जमा हुआ था और रूक रूक रिमझिम बारिश होते रही। दिन भर बूंदा बांदी के बाद सोमवार को रात्रि में अच्छी बारिश से किसानों के चेहरे खिल गये। सोमवार से ही बूंदाबांदी और आसमान पर छाये बादलों के कारण मौसम में कंपकपा देने वाली ठंड रही और रात्रि में हुई तेज बारिश ने मौसम को और अधिक ठंडा कर दिया। मंगलवार को दिन भर सूरज देवता के दर्शन नहीं हुये तथा रूक रूक कर बूंदाबांदी का क्रम जारी रहा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 01 दिसंबर तक मौसम इसी प्रकार से रहने की संभावना बतायी गयी है।

दक्षिण अंडमान सागर से उठे बदल मध्य प्रदेश के आसमान पर छा गए हैं। कई जिलों में बारिश शुरू हो चुकी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने मध्य प्रदेश के 14 जिलों में ओलावृष्टि और 18 जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग की जानकारी के अनुसार दक्षिण अंडमान सागर से उठे बादलों के कारण मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ कहीं तेज बारिश हो सकती है तो कहीं हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है इस बारिश के कारण शीत लहर भी अपना प्रकोप दिखा सकती है

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश मौसम केंद्र भोपाल से जारी मौसम का पूर्वानुमान एवं किसान मौसम बुलेटिन के अनुसार राजगढ़, नर्मदा पुरम, बैतूल, शाजापुर, आगर मालवा, नीमच, छिंदवाड़ा एवं भोपाल में तेज हवाओं के साथ वज्रपात और बारिश होने की संभावना है। नागरिकों से अपील की गई है की मौसम का ध्यान रखें और यदि मौसम खराब होता है तो सुरक्षा के इंतजाम करें। इन जिलों के कुछ इलाकों में 40 किलोमीटर प्रति घंटा की र तार से तेज हवाएं।

मौसम विभाग के अनुसार गुना, अशोकनगर, श्योपुर, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, दमोह, सागर, विदिशा एवं रायसेन में गरज चमक के साथ वज्रपात होने का खतरा बताया गया है। वहीं कुछ क्षेत्र में यह हवाएँ तेज भी रहेगी और ओलावृष्टि भी होगी।

जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है

बंडोल थाना प्रभारी राजेश दुबे ने बताया है कि जिले के बंडोल थाना क्षेत्र में आसमानी बिजली गिरने से

एक युवक झुलस गया।उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार को गंगेरुआ निवासी अरविंद पुत्र शिवदयाल (19) कही जा रहा था।इसी दौरान उस पर आसमानी बिजली गिर गई।सूचना पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

बढ़ी ठिठुरन भरी ठंड

दो दिनों से मौसम में आए बदलाव के बाद हो रही वर्षा से ठिठुरन भरी ठंड बढ़ गई।मंगलवा को ठंड बढ़ने के कारण सड़कों व बाजार में सन्नाटा रहा।दोपहर तीन बजे के बाद हल्की धूप खिलने से लोगों को राहत मिली।हांलाकि ठंडी हवाएं चलने के कारण लोगों को ठंड का अहसास होते रहा।लोग अपने घरों में ही दुबके रहे।जरूरी काम होने पर ही कुछ लोग घरों से बाहर निकले।

छाया रहा कोहरा

सोमवार रात से जारी वर्षा के कारण मंगलवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा।कुछ क्षेत्रों में दोपहर तक धुध रही।इसके कारण वाहन चालकों को हेडलाइट का उपयोग करना पड़ा।अचानक हो रही वर्षा से जन जीवन प्रभावित भी हुआ।ठंड बढ़ने के कारण बच्चों व बुजुर्गो के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना डो टरों ने जताई है। जिला अस्पताल में पदस्थ आरएमओ डो टर पुरूषोत्तम सूर्या ने बताया है कि ठंड के मौसम में बच्चें व बुजुर्गो का खास याल रखने की जरूरत है।साथ ही हृदय, दमा के मरीजों को विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

स्कूलों में कम पहुंचे बच्चे

रविवार और सोमवार को अवकाश के बाद मंगलवार को भी सुबह से मौसम खराब होने व वर्षा के कारण स्कूलों में कम सं या में बच्चे पहुंचे।सुबह के समय लगने वाले स्कूलों में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे काफी कम सं या में पहुंचे।वहीं कुछ बच्चे कड़ी ठंड के बीच ठिठुरते हुए स्कूल पहुंचे।बच्चो के कम सं या में पहुंचने से स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हुई।

किसानों के लिए एडवाइजरी

परिपक्व फसलों की जल्द से जल्द कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर जमा करें। केले के गुच्छों को बांस की डंडियों या पॉलीप्रोपाइलीन की डंडियों से सहारा दें। नई रोपी गई सब्जियों लता वाली सब्जियों को सहारा दें। बागवानी की फसलों में यांत्रिक क्षति को रोकने के लिए हेलनेट का उपयोग करें।
सिंचाई और किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचें।

दुर्घटना में चालक परिचायक को मामूली चोट बांकी सभी सुरक्षित

सिवनी यशो :- जिले के डूंडासिवनी थाना अंतर्गत बरघाट से सिवनी की ओर आ रही उदय पब्लिक स्कूल बस क्रमांक एमपी 22 पी 0420 एवं सिवनी की ओर से इंदौर से बालाघाट जा रही नंदन बस ट्रव्हेल्स की यात्री बस क्रमांक एमपी 22 पी 4101 बाघदेव बंजारी के पास आपस में टकरा गई।

जानकारी के अनुसार उदय पब्लिक स्कूल लूघरवाड़ा की बस छात्रो को बरघाट से लेकर आ रही थी मौसम की खराबी के कारण बरघाट से दो ही छात्राएँ बस में थी विपतरीत दिशा से इंदौर से बालाघाट नंदन ट्रेव्हलस की बस यात्रियों को लेकर जा रही थी। दोनों के बीच बाघ देव बंजारी के पास सीधी भिंडत हो गयी। जिसमें स्कूल बस के चालक को गंभीर चोट आयी है चालक की हालक गंभीर बनी हुई थी तथा परिचालक को मामूली चोटे हैं बाकी सब सुरक्षित हैं जिन्हें कोई किसी भी प्रकार की चोटे नहीं आई है। मौसम खराब होने के कारण स्कूल जाने वाले छात्रों की सं या दो ही थी। हालांकि दोनों बसों की जो आपस की टक्कर हुई वह बहुत ही जबरदस्त और सीधी भिंडत थी परंतु यह सौभग्य का विषय है कि दोनो बसो में किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आयी है। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुँची पुलिस घटना की जाँच कर रही है।

बांध के निचले क्षेत्र के ग्रामवासियों से सतर्क रहने की अपील

सिवनी यशोः- कार्यपालन यंत्री पेंच व्यपवर्तन बांध जल संसाधन द्वारा बताया गया है कि पेंच व्यपवर्तन परियोजना अंतर्गत निर्मित पेंच बांध के जल ग्रहण क्षेत्र में हुई वर्षा के कारण बांध का जल स्तर निर्धारित स्तर पर पहुच चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार आगामी दिनों में जल ग्रहण क्षेत्र में बारिश होने की संभावना है। अतः बांध का निर्धारित स्तर बनाये रखने हेतु वर्षा के दौरान समय - समय पर किसी भी वक्त बांध के मु य द्वार खोले एवं बंद किये जावेंगे।जिससे पेंच नदी में पानी का बहाव एवं जल स्तर में बढोतरी होगी।
अतः सूचित कर निवेदन किया जाता है कि वर्षा ऋतु समाप्त होने तक बांध के निचले क्षेत्र के ग्रामवासी कृपया नदी तटों एवं तल के पास न जाये, मवेशी, मोटर पंप और अन्य उपयोगी वस्तु न रखे एवं सतर्क रहें, ताकि किसी प्रकार की जानमाल की क्षति न होने पाये।

सरस्वती शिशु मंदिर में गुरूनानक जयंती मनायी गयी

सिवनी यशोः- सिवनी नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था सरस्वती शिशु उ.मा. विद्यालय सिवनी में सिख

धर्म के संस्थापक गुरूनानक देव जी का प्रकाश पर्व हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया।
आयोजन में सिख गुरूद्वारा के प्रधान ग्रंथी ज्ञानी श्री चरन सिंह जी खालसा के मु य आतिथ्य एवं गुरूद्वारा प्रबंधन कमेटी के सचिव मनिंदर सिंह भाटिया की अध्यक्षता में जयंती समारोह आयोजित किया गया। आयोजन में सेवादार मानसिंह उदासी, श्रीमती रंजीत कौर भाटिया, सुश्री मन्नत कौर भाटिया भी उपस्थित रहे। विद्याभारती छिंदवाडा विभाग के विभाग समन्वयक चुन्नीलाल बोपचे भी मंचासीन रहे। समस्त अतिथियों का स्वागत प्राचार्य ओमप्रकाश यादव जी ने किया। मंचासीन श्रीमती रंजीता कौर भाटिया का स्वागत श्रीमति वीणा पाण्डे दीदी ने किया। आयोजन की शुरूआत गुरू वंदना से हुई। इसके उपरांत भैया/बहिनों ने अनेक सुंदर ज्ञानवर्धक कार्यक्रम प्रस्तुत किए अपने संबोधन में मु य ग्रंथी ज्ञानी चरण सिंह जी ने गुरूनानक देव जी के जीवन के अनेक मार्मिक प्रसंगो पर प्रकाश डाला।

समस्त अतिथियों का परिचय वरिष्ठ व्या याता प्रकाश गुप्ता जी ने कराया। जबकि कार्याक्रम का संचालन सौ.कीर्ति ठाकुर दीदी ने किया। आयोजन में विद्यालय व्यस्थापक नितिन जी चौधरी सहित समस्त आचार्य परिवार एवं सिख समाज के अनेक नागरिको की उपस्थिति रही।

बैनगंगा नदी तट पर दीपदान के लिये उमड़ा जन सैलाब

बैनगंगा के दो अलग अलग घाटों पर भेंट की गई चुनरी,हवन पूजन के बाद हुआ दीपदान

छपारा यशोः- कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पतित पावन मां बैनगंगा नदी के विश्राम घाट और प्राचीन शिव मंदिर सिद्ध बाबा घाट में अलग अलग श्रद्धालुओ के द्वारा चुनरी भेंट की गई।

इस अवसर पर नदी तट में सुबह से बड़ी सं या में श्रद्धालु का आना जाना लगा रहा, वही कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर विशेष कर महिलाओ ने बड़ी सं या में बैनगंगा नदी में डुबकी लगाई और पूजन पाठ किया। किंतु सोमवार को सुबह से ही सूर्य देवता के दर्शन नही हुए साथ ही दिनभर बादलो का डेरा रहा वही रुक रुक कर रिमझिम बारिश होने से वातावरण में जमकर ठंडक रही।

शाम 4 बजे से हवन,पूजन के बाद मां बैनगंगा की आरती के पश्चात

दीप दान किया गया और माँ बैनगंगा को चुनरी भेंट की गई।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी उक्त चुनरी यात्रा निकली गई, इस चुनरी यात्रा कार्यक्रम का आयोजन नगर के पूर्व मंडी अध्यक्ष रमेश चौहान के निज निवास विधुत मण्डल कार्यालय के सामने से बैनगंगा नदी तट की गई,जिसमे शाम 4 बजे से पूरे धूमधाम के साथ इस चुनरी यात्रा निकली गई। इसके अलावा दूसरी चुनरी यात्रा नगर के सुनारी मोहल्ले स्थित प्राचीन शिव मंदिर सिद्ध बाबा घाट से चुनरी यात्रा निकाल कर नगर के मु य मार्गो से होते हुए वापस उसी घाट पर पहुंच कर मां बैनगंगा को चुनरी अर्पित की गई जिसमे बड़ी सं या में श्रद्धालुओ ने हिस्सा लिया।

इसके साथ ही संपूर्ण कार्तिक मास नदी में स्नान करने वाली महिलाओं के द्वारा सुबह से बैनगंगा नदी तट के पुल घाट तथा प्राचीन शिव मंदिर सिद्ध बाबा घाट में पूजन अर्चन का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया था। दोपहर में भी जल अभिषेक किया गया और विधि विधान से वैनगंगा नदी की पूजन अर्चन कार्यक्रम किया गया।इस आयोजन में दूर दूर से आये ग्रामीण अंचलों के ग्रामवासी ने भी इस कार्यक्रम में पहुंचे जिन्होंने इस कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बना दिया लोगों के द्वारा शाम को नदी तटो पर दीपदान किया गया जिसमें महाआरती का भी आयोजन हुआ। नदी तट के किनारे बने लक्ष्मी नारायण मंदिर जिसकी याति गोल्डन टे पल के नाम से धीरे धीरे पूरे जिले में फ़ैल रही, यहाँ पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे बड़ी सं या में लोग पहुंचे। महिलाओं के द्वारा भी पूजन किया,मंदिर परिसर में भी दिन भर धार्मिक आयोजन हुये विशेष पूजा अर्चना हुई।

विगत दस पन्द्रह वर्षो से आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय दीपदान समिती,गणमान्य नागरिक, लक्ष्मी नारायण मंदिर समिति और नदी तट पर सुरक्षा हेतु पुलिस विभाग का विशेष सहयोग रहा।

प्रातः 08:30 बजे बाद ही खुलेंगे स्कूल

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल ने शीतलहर एवं तापमान में आई गिरावट के मद्देनजर जिले के सभी शासकीय-अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई, माध्यमिक शिक्षा मण्डल एवं समस्त बोर्ड से स बद्ध शालाओं के लिए आदेश जारी किया है कि सभी शालाऐं 01 दिस बर से आगामी आदेश तक प्रातः 08:30 बजे के पूर्व संचालित नहीं की जायेगी।

जबरन नॉलेज

समय से पहले पोस्टल बैलेट की पेटी खुली, राजनैतिक क्षेत्र में भूचाल

कांग्रेस ने EC से की शिकायत, नोडल अधिकारी निलंबित

बालाघाट यशो :- बालाघाट जिले की विधानसभाओं के स्ट्रांग रूप में रखे पोस्टल बैलेट से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है और दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है। हालांकि स्पष्टीकरण के बाद कांग्रेस की ओर से ही यह भी कहा जा रहा है कि उन्हें गलतफैमी हो गयी थी। पोस्टल बैलेट से छेड़छाड की सूचना पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मु यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं ने शिकायत भी की और ऐ स एकाऊंट पर अपनी प्रतिक्रियाएँ भी। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा ने इस घटना की जानकारी बुलावाई है। कांग्रेस की शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने नोडल अधिकारी लालबर्रा के तहसीलदार हि मत सिंह को निलंबित कर दिया है तथा जिला निर्वाचन अधिकारी कले टर बालाघाट डां. गिरीश मिश्रा को जाँच के आदेश दिये है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को मतदान हुआ। इसकी मतगणना 3 दिसंबर को होगी। कांग्रेस ने बालाघाट जिले के कले टर पर मतगणना से पहले पोस्टल वोट की पेटी खोलने का आरोप लगाया है। इसका एक वीडियो भी जारी कर पोस्टल वोट में हेराफेरी का आरोप लगाया है। इस संबंध में चुनाव आयोग को शिकायत कर बालाघाट कले टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा समेत अन्य कर्मचारियों को निलंबित करने की मांग की है।

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश मु य निर्वाचन अधिकारी अनुपम राजन को इस संबंध में शिकायत दी है। इसमें उन्होंने बालाघाट कले टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस की तरफ से कहा

कि कले टर ने ट्रेजरी रूम खुलवाकर पोस्टल वोट अनाधिकृत रूप से निकलवाकर कर्मचारियों को सौंप दिए गए। इसका वीडियो जारी कर कहा कि कर्मचारियों द्वारा पोस्टल वोट में मनचाही छेड़छाड़ कर कार्यवाही की जा रही है। शिकायत में कांग्रेस ने कहा कि कर्मचारियों के उक्त पोस्टल वोट सौंपने से संदेहास्पद स्थिति निर्मित हुई है।

प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राजीव सिंह और उपाध्यक्ष एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल के साथ निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। उन्होंने बालाघाट कले टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा और उस उक्त कार्य में शामिल कर्मचारियों को निलंबित करने की मांग की है।

हालांकि इस संबंध में प्रशासन की ओर से सफाई देते हुये अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी ने कहा है कि बालाघाट जिले की बालाघाट विधानसभा के 1308, बैहर विधानसभा के 429, परसवाड़ा में 452, विधानसभा वारासिवनी में 391 और कटंगी विधानसभा के लिये 126 बैलेट पेपर डाले गये है जो स्ट्रांग रूप में रखे हुये थे उन्हें विधानसभावार जमाया गया है किसी भी पोस्टल बैलेट पर कोई छेड़छाड़ नहीं की गयी है।
इस संबंध में जनसंपर्क संचालनालय ने भी सफाई दी है।

कैंडल जलाकर एड्स से दिवंगत लोगों को दी श्रृद्धांजलि, फैलाई जागरूकता

सिवनी यशोः- विश्व एड्स दिवस के पूर्व 26 नवंबर को कैथोलिक हेल्थ एसोसिएशन के केयर एंड सपोर्ट सेंटर सिवनी द्वारा एड्स से दिवंगत लोगों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। रेड अलर्ट एरिया छिंदवाड़ा चौक गणेश मंदिर के पास कैंडल लाइट के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस दौरान मानव श्रृंखला बनाई गई। कैंडल लाइट जागरूकता कार्यक्रम में जिला अस्पताल के टीवी व एचआईवी नोडल अधिकारी जयज काकोड़िया, आईसीटीसी काउंसलर अशोक गोवंशी, अरुण श्रीवास्तव, एसटीडी काउंसलर फोजिया अंजुम, एआरटी काउंसलर राजश्री दुबे, एआरटीसीसी खुमेश्वरी बिसेन, स्टाफ नर्स रोशनी भालेकर, फार्मासिस्ट अजय गुप्ता, श्वेतना प्रोग्राम से निलेश बारासकर, टीआई से पीएम नीति धकरे मौजूद रहे। एचआईवी एड्स के संबंध में जागरूकता लाने 1 से 15 दिसंबर तक जिला अस्पताल में एड्स जागरूकता पखवाड़ा मनाया जाएगा। आयोजन में सिवनी केयर एंड सपोर्ट सेंटर की प्रोजे ट कोआडिनेटर रतनी शर्मा, अकाउंटेंट राधिका भारद्वाज, पीर नेविगेटर वंदना विश्वकर्मा, ओआरडब्ल्यू विष्णु दास पनागर, धनेंद्र बिसेन इत्यादि का सहयोग रहा।

इतिहास से विस्मृत प्रथम स्वातन्त्र्य समर की वीराङ्गना झलकारी बाई

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल-

भारतीय इतिहास के विस्मृत पन्नों में एक वीराङ्गना नारी - अपने अपूर्व तेज एवं राष्ट्रभक्ति की अभूतपूर्व चेतना के रूप में विद्यमान है। उसका समूचा जीवन स्वातन्त्र्य यज्ञ की बलिवेदी में समर्पित हो गया। इतिहास ने भले उसके साथ अन्याय किया। लेकिन उसकी वीरता की गाथा पीढ़ी- दर पीढ़ी किंवदन्तियों व लोकगाथा के रूप में दर्ज हो गई। स्वातन्त्र्य समर की आहुति बनने वाली वह वीराङ्गना नारी और कोई नहीं बल्कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की दुर्गा सेना की प्रमुख झलकारी बाई थीं।

22 नव बर 1830 को झाँसी के निकट भोजला गांव में पिता सदोवर सिंह व माता जमुना देवी के घर झलकारी बाई का जन्म हुआ था। नियति उस बेटी को एक बहुत बड़ी जि मेदारी देने वाली थी। इसलिए जीवन भी उसकी कठोर परीक्षा ले रहा था। बचपन में माता का साया उसके सिर से उठ गया। और झलकारी बाई मातृत्व की छाँव से वंचित हो गई। लेकिन नियति ने उन्हें जिस महान उद्देश्य के लिए चुना था, झलकारी बाई उस साधना में जुट गईं। पर परागत जनजाति में कोल/कोरी (कोली) परिवार की विरासत को स हालने वाली झलकारी बाई ने – घुड़सवारी और अस्त्र-शस्त्र चलाने का कौशल सीखना शुरू कर दिया। और वे इसमें पारंगत हो गईं। बाल्यकाल में बाघ का वध करने का किस्सा भी उनकी वीरता के सन्दर्भ में लोक स्मृतियों में उनके साथ जुड़ा हुआ है।

झलकारी बाई के विषय में ठीक ही कहा गया है कि — बुदेल खंड में जन्मी हैं, ना रानी, ना महारानी हैं;
दब गई जो इतिहास में, यह उस वीरांगना की कहानी है।

लेकिन उस वीराङ्गना झलकारी बाई की अपनी गौरवपूर्ण गाथा है। झलकारी बाई ने स्वातन्त्र्य समर में अपने शौर्य एवं पराक्रम का वह कीर्तिमान रचा है , जिसे बड़े से बड़े शूरमा नहीं कर पाए। जब बात झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की आती है, तो उनके साथ साये की भाँति झलकारी बाई का नाम स्मरण में आ ही जाता है। ऐतिहासिक प्रसंग के अनुसार - झलकारी बाई गौरी पूजा के दौरान अन्य महिलाओं के साथ रानी लक्ष्मीबाई को स मान देने झांसी के किले में गई हुई थी। रानी लक्ष्मीबाई ने जब उन्हें देखा तो वे आश्चर्यचकित हो गईं। उनके विस्मित होने का कारण यह था कि -रानी लक्ष्मीबाई और झलकारी बाई की शे ल एकदम मिलती जुलती थी। झलकारी हमशे ल होने के साथ साथ बहादुर भी थीं। रानी लक्ष्मीबाई ने उनके बहादुरी के किस्से सुने। और उन्हें अपनी %दुर्गा सेना% में शामिल कर लिया। आगे चलकर झलकारी बाई – रानी लक्ष्मीबाई की प्रिय सहेली बन गईं।??

समय अपनी करवट बदल रहा था।

और राष्ट्र के प्रथम स्वातन्त्र्य समर का बिगुल बजने ही वाला था। अंग्रेज सरकार - अपने दमन की पराकाष्ठाओं की अति किए हुई थी। इसी समय लार्ड डलहौजी ने %हड़प नीति% लागू करते हुए भारतीय राजाओं को दत्तक पुत्र लेने पर रोक लगा दी थी।?? 10 मार्च 1857 को मेरठ में मंगल पाण्डेय के नेतृत्व में धधकी स्वातन्त्र्य की चिंगारी झांसी में ज्वाला बनकर धधकने वाली थी।

रानी लक्ष्मीबाई के पति गंगाधर राव की मृत्यु हो जाने के पश्चात अंग्रेजों की कुत्सित नजर झांसी पर पड़ गई थी। लेकिन झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने %मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी% कहते हुए अंग्रेजों से युद्ध करने को तैयार हो गईं। उन्होंने अपनी सेना को हर मोर्चे पर तैयार किया, और अंग्रेजों का प्रतिकार करने के लिए मोर्चे पर डट गईं। युद्ध की रणनीति बनाई जा रही थी। युध्द के लिए मोर्चे तैनात हो रहे थे। लेकिन उनकी सेना के ही एक गद्दार सैनिक – दूल्हेराव ने विश्वासघात किया। और किले के सुरक्षित द्वार को अंग्रेजी सेना के लिए खोल दिया। इससे ब्रिटिश सेना किले में प्रवेश कर गई।?लेकिन लक्ष्मीबाई के रणबांकुरे यहां भी तैयार थे।? द्वार की रक्षा करते करते झलकारी बाई के पति पूरन कोली वीरगति को प्राप्त हो गए। पति की मृत्यु का शोक मनाने के स्थान पर झलकारी बाई ने राज्य रक्षा के कर्तृत्व को निभाया। और रानी लक्ष्मीबाई की वेश - भूषा धारण कर युद्धक्षेत्र में डट गईं। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई को कहा था कि - आप पुत्र – दामोदर राव को लेकर सुरक्षित स्थान पर निकल जाइए। मैं अंग्रेजों से लड़ने के लिए निकल रही हूं। इधर झलकारी बाई अंग्रेजी सेना का नरसंहार करती हुई युद्ध का रुख मोड़ रहीं थी। उधर लक्ष्मीबाई दूसरे मोर्चे पर रणनीति पूर्वक नेतृत्व की बागडोर स हाले रहीं।

झलकारी बाई अपने शौर्य एवं पराक्रम से सबको अचं भत किए हुई थी। युद्ध करते हुए उन्हें अंग्रेज़ी सेना ने चारों ओर से घेर लिया। और उन्हें बन्दी बना लिया गया। तत्पश्चात अंग्रेजी सेना के जनरल ह्यूरोज के सामने उन्हें प्रस्तुत किया गया। जहां एक सैनिक ने उनकी पहचान उजागर कर दी।?? अंग्रेजों को जब पता चला कि - ये लक्ष्मीबाई नहीं, बल्कि दुर्गा सेना की नायिका झलकारी बाई हैं। तो उनके होश उड़ गए। युध्द के दौरान उनके बंदी बनाए जाने और वीरगति को लेकर इतिहास में मतै य हैं। सन्दर्भ ऐसा आता है कि – बंदी बनाए जाने के पश्चात ह्यूरोज ने उनसे पूंछ था कि -उनके साथें या व्यवहार किया जाना चाहिए। तब उस वीराङ्गना झलकारी बाई का एक ही उत्तर था – मुझे फाँसी चाहिए। इस कथन से ह्यूरोज प्रभावित हुआ था, और उसने उन्हें रिहा कर दिया था। इस धारा में एक ऐसा प्रसंग भी जुड़ता है कि झलकारी बाई की वीरता से प्रभावित होकर ह्यूरोज ने कहा भी था कि –

÷अगर भारत में स्वतंत्रता की दीवानी ऐसी दो चार महिलाएँ और हो जायें तो अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ेगा। भारत को स्वतंत्र होने से कोई भी नहीं रोक सकता।÷

साथ ही इतिहास में तथ्यात्मक रूप से यह निर्धारित नहीं हो सका कि - उनकी वीरगति कैसे हुई। अंग्रेजों द्वारा फांसी दिए जाने से। कारावास में मृत्यु से , याकि युद्धभूमि में ही अंग्रेजों से युद्ध करते - करते वे वीरगति को प्राप्त हुई।लेकिन बर्बर - दमनकारी अंग्रेजों की प्रवृत्ति को देखकर यही लगता है कि – उन्होंने झलकारी बाई को रिहा तो नहीं ही किया होगा। इतिहासकारों का यह भी मानना है कि – झलकारी बाई को युद्ध के दौरान ?04 अप्रैल, 1858 को वीरगति प्राप्त हुई। इस सन्दर्भ में यह उल्लेख भी मिलता है कि – ÷युद्धरत झलकारी बाई को बंदी बनाकर अंग्रेज अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहाँ उन्होंने अंग्रेज अधिकारी से सिंहनी की भाँति दहाड़ते हुए कहा कि - झाँसी से वापस लौट जाओ। उस अंग्रेज अधिकारी ने फौजी मानहानि व बगावत का आरोप सिद्ध किया और देशभक्त वीरांगना झलकारी बाई को तोप के मुँह से बाँधकर उड़वा दिया।÷ झलकारी बाई के अपार पराक्रम ने भारतीय स्वातन्त्र्य समर में एक ऐसा इतिहास रचा। जो यह बतलाता है कि – भारतीय नारी जब अपनी शक्ति एवं शौर्य के साथ रणक्षेत्र में उतरती है, तो वह शत्रुओं का समूल नाश करने की सामर्थ्य रखती है। पति की मृत्यु के उपरान्त शोक के स्थान पर झलकारी बाई ने राज्य पर आए संकट के लिए बलिदानी बन जाना स्वीकार किया। उन्होंने अपने उस महान निर्णय से इतिहास की धारा मोड़ दी।?? और यह सिद्ध किया कि - स्वाधीनता प्राप्त करना - जन जन का प्रथम कर्तव्य है।

भविष्य में झाँसी को लेकर परिणाम भले ही, कुछ रहा हो। लेकिन जीते जी झलकारी बाई ने – रानी लक्ष्मीबाई का वेश धरकर जिस प्रकार से अंग्रेजों से लोहा लिया। और मातृभूमि की रक्षा में अपना आत्मोत्सर्ग कर दिया। यह त्याग एवं बलिदान का पुरुषार्थ भारतीय नारी के आदर्श एवं वीरता का दर्शन करवाता है। उनका ध्येय ही झाँसी की स्वतन्त्रता को बनाए रखना था।और इस उद्देश्य ने ही उन्हें महानता के सिंहासन पर आरूढ़ करवाया। वीराङ्गना झलकारी बाई के साहस - शौर्य पराक्रम की गाथाएं और उनका अपतिम त्याग - बलिदान राष्ट्र के लिए आदर्श के रूप में चिरवन्दनीय रहेगा । इतिहास के विस्मृत पन्नों को – लोक की स्मृति के सहारे पुनश्च पलटा जाएगा, और वीराङ्गना झलकारी बाई – रानी लक्ष्मीबाई के प्रतिबि ब की भाँति राष्ट्र जीवन का आदर्श सिखाएंगी

'परिवार नियोजन मिशन' पर अस्पताल की लापरवाही भारी, महिलाओं को उठानी पड़ रहीं कई मुश्किलें

प्रशासन की लापरवाही परिवार नियोजन मिशन पर भारी पड़ रही है. स्वास्थ्यकर्मी टारगेट पूरा करने के लिए महिलाओं को अस्पताल पहुंचा देते हैं, जहां से उन्हें काफी दिक्कत उठानी पड़ती है.

बुरहानपुर। केंद्र और राज्य की सरकारें बढ़ती आबादी पर ब्रेक लगाने कई कोशिशें कर रही हैं, लेकिन उसके नुमाइंदे अपनी निष्क्रियता से इन अभियानों को अंजाम देने में नाकाम नजर आते हैं. इसी तरह सरकारी अधिकारियों के नाकामी का एक मामला मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में देखने को मिल रहा है, जहां नसबंदी शिविर में आई महिलाओं को लापरवाही और अव्यवस्थाओं से दो चार होना पड़ रहा है. अस्पताल प्रशासन की लापरवाही आम लोगों पर भारी पड़ती नजर आ रही है.

समूचे प्रदेश की तरह इंदौर के नजदीकी जिले बुरहानपुर के अस्पताल में सताह में नसबंदी शिविर का आयोजन किया जाता रहा है. इस शिविर में सुबह 10 बजे से रजिस्ट्रेशन शुरू होता है. हालांकि रजिस्ट्रेशन होने के बाद घंटों तक महिलाओं को डॉ टर के इंतजार में भटकना पड़ता है, इससे महिलाओं का काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. महिला के साथ आए परिवार के लोगों को बच्चों को संभालने के लिए पूरे अस्पताल में भटकना पड़ता है. अस्पताल में बच्चों के लिए कोई झूला या समुचित व्यवस्था नहीं होने से परिजन को काफी दिक्कत होती है. परिजन बच्चों को संभालने के लिए अस्पताल के परिसर में बने रेलिंग या मौके पर मौजूद पेड़ों पर कपड़े से झूला बनकर संभालने को मजबूर हैं.

परिजनों ने या कहा?

ये भले ज्यादा रिस्की नहीं लगता हो, लेकिन इससे बच्चों को गंभीर चोट लग सकती है. ये समस्या कोई नई नहीं है. हर बार की इसी तरह की समस्या से महिलाओं को जूझना पड़ता है. कई बार नसबंदी शिविर में महिलाओं को देर रात तक भी रुकवाया जाता है. इसलिए परिजनों को छोटे-छोटे बच्चों को लेकर इधर उधर भटकना पड़ता है. मौके पर आई महिलाओं के परिजनों ने बताया की आशा और उषा कार्यकर्ता सुबह से ही गांव-गांव से अपना टारगेट पूरा करने के लिए महिलाओं को जिला अस्पताल में लेकर पहुंचती हैं, लेकिन नसबंदी कराने आई महिलाओं के बच्चों और परिजनों को सुविधाओं के अभाव के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है.

अस्पताल की लापरवाही से परिजन परेशान

यह समस्या इस अस्पताल में लगातार बनी हुई है, जि मेदारों ने भी इस समस्या को दूर करने को लेकर आंख और कान बंद कर लिया है. नसबंदी के लिए आई महिलाओं के लिए अस्पताल प्रबंधन ना तो पानी की व्यवस्था करता है और ना ही जलपान या भोजन की व्यवस्था करता है. डॉ टरों के लेटलतीफी के कारण परिजनों और नसबंदी के लिए आई महिलाओं को घंटों भूखे रहना पड़ता है. परिवार नियोजन नसबंदी शिविर में इंदौर से विशेष डॉ टर को बुलाया जाता है और यह नसबंदी शिविर जिले में तीन स्थानों पर लगाये जाते हैं. इसमे शाहपुर, खकनार और बुरहानपुर भी शामिल हैं.

अस्पताल प्रशासन नें या कहा?

इस संबंध में जब अस्पताल प्रबंधन से पूछा गया तो उन्होंने समस्याओं को हल करने के लिए वाजिब दिलासा देने की बजाय पीछा छुड़ाने वाला बयान दिया. संबंधित अस्पताल के प्रबंधक डीएस चौहान ने कहा कि हमने अपने स्तर पर समुचित व्यवस्थाएं की हैं. बच्चों के लिए झूलेघर के इंतजाम भी हैं. हालांकि जो शिकायत है उस पर व्यवस्थाएं और सुचारु करने के इंतजाम कर रहे हैं.

बेटे की चाहत में सातवीं बार भी हुई बेटी, घर पर कराई डिलीवरी, प्रसूता ने तोड़ा दम

शिवपुरी। शिवपुरी जिले में रहने वाली धनवंतरी शो य सातवीं बार गर्भवती हुई और उसकी पहले से छह बेटियां थीं। डिलीवरी गांव स्थित घर पर ही हुई। इस असुरक्षित डिलीवरी के चलते धनवंतरी का रक्त स्राव नहीं रुका और नतीजतन उसकी हालत गंभीर हो गई।

जिला अस्पताल में प्रसव के लिए आई एक महिला की मौत हो गई। बताया जाता है कि महिला की यह सातवीं डिलीवरी थी। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया है, अत्यधिक ब्लीडिंग के कारण महिला की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला को पहले से छह बेटियां थीं और बेटे की चाह में यह उसकी सातवीं संतान थी।

महिला की मौत के बाद जिला अस्पताल में परिवारजनों द्वारा हंगामा भी किया गया। लेकिन जिला अस्पताल के सिविल सर्जन बीएल यादव ने बताया कि बच्ची पैदा होने के बाद प्रसूता को जिला अस्पताल

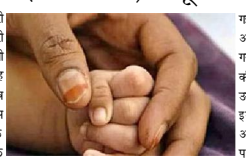

में भर्ती कराया गया था। महिला वेहद कमजोर थी, अत्यधिक ब्लड़ीा होने के चलते उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजन नवजात बच्ची को भी अपने साथ ले गए।

घर पर हुई थी डिलीवरी बाद में लाए अस्पताल

बताया जाता है कि सिरसौद थाना क्षेत्र के लालगढ़ गांव की रहने वाली 28 साल की धनवंतरी शो य की डिलीवरी घर में हो गई थी। इसके बाद धनवंतरी की जब ब्लड़ीा नहीं रुकी, तब परिजनों द्वारा धनवंतरी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

परिजनों के अनुसार, महिला को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। ए बुलेंस के पहुंचने से पहले ही डिलीवरी हो गई। इसके बाद उसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद भी महिला की डिलीवरी होने के बाद उसकी ब्लीडिंग नहीं रुकी थी। इसके बाद उसे जिला अस्पताल लाया गया। यहां पर उसके भर्ती कराया, लेकिन नर्सिंग स्टाफ भी महिला की ब्लीडिंग रोकने में नाकाम रहा। इसके बाद अत्याधिक ब्लीडिंग होने के चलते महिला की मौत हो गई।

पूर्व में छह बेटियों को दिया जन्म

बताया जाता है कि महिला धनवंतरी शो य पत्नी दिलीप शो य इससे पहले छह बच्चों को जन्म दे चुकी थी। यह सभी संतान बेटी के रूप में पैदा हुई थीं। बताया गया है छह बेटियों में से एक बेटी की पहले मौत हो चुकी है और शनिवार रात धनवंतरी ने एक और बेटी को जन्म दिया। इसके बाद धनवंतरी की मौत हो गई। परिवारजनों ने पहले हंगामा किया, लेकिन बाद में बिना पीएम कराए ही लाश ले गए।

शिवपुरी के दो कर्मचारियों को भोपाल की सीबीआई कोर्ट से 7-7 वर्ष का कठोर कारावास

भोपाल। मामला मध्य प्रदेश के सबसे बड़े व्यापम घोटाला का है। सीबीआई ने जांच के बाद भोपाल स्थित विशेष न्यायालय में चार्ज शीट पेश की थी। बताया था कि, वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2012 में उ मीदवार श्री लखन लाल जाटव, निवासी ग्राम बछेरा, पोहरी (शिवपुरी), परीक्षा केंद्र एसएमएस पीजी कॉलिज शिवपुरी एवं वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2013 में उ मीदवार श्री तेज सिंह जाटव, निवासी ग्राम बछेरा, पोहरी (शिवपुरी), परीक्षा केंद्र गुरुनानक उमा विद्यालय शिवपुरी, दोनों ने भर्ती परीक्षा में अपने स्थान पर किसी अन्य उ मीदवार को परीक्षा देने भेजा था। व्यापम घोटाले की जांच के दौरान, एसटीएफ ने वर्ष 2021 में दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था।

इसके बाद व्यापम घोटाले की जांच का काम सीबीआई को दे दिया गया था। सीबीआई ने इन्वेस्टिगेशन करने के बादभोपाल स्थित विशेष न्यायालय में चार्ज शीट पेश की थी।की सजाएं जुर्माना से दंडित किया है।

भारी बारिश के बाद बिजली गिरने से चार लोगों की मौत, 10 साल का बच्चा बुरी तरह झुलसा; इलाज जारी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ओलावृष्टि की भविष्यवाणी करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सोमवार को एमपी में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की र तार से तेज हवाएं चलीं और अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दस साल का बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया।

भोपाल। मध्य प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पिछले 24 घंटों में हुई भारी बारिश के बाद बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई है। इस दौरान एक लड़का भी गंभीर रूप से घायल हो गया है। मालूम हो कि राज्य के कई हिस्सों में रविवार को गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई।

मां-बाप की मौके पर मौत

धार जिले के उमरबन गांव में रविवार शाम एक दंपति और उनका नाबालिग बेटा मोटरसाइकिल पर घर लौट रहे थे, तभी अचानक उन पर बिजली गिर गई। उमरबन पुलिस चौकी प्रभारी प्रकाश अलावा ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि मुकेश (28) और उनकी पत्नी चंपा (27) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका 10 साल का बेटा गंभीर रूप से झुलस गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

काम करते समय गिरी बिजली

पेटलावद के पुलिस उपमंडल अधिकारी सौरभ तोमर ने बताया कि झाबुआ जिले में, रविवार शाम झाबलिया गांव में अपने खेत में काम करते समय बिजली गिरने से लुंगजी कटारा नाम के 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। सिलावड पुलिस थाने के उपनिरीक्षक अयूब शेख ने कहा कि इसके अलावा, बड़वानी जिले के जुनाझिर गांव में रविवार दोपहर बिजली गिरने से एक 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ओलावृष्टि की भविष्यवाणी करते हुए %ऑरेंज अलर्ट% जारी किया है। सोमवार को एमपी में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की र तार से तेज हवाएं चलीं और अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने के साथ आंधी चली।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश, 24 घंटे में भारी बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी

उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर अब प्रदेश के कई शहरों में दिखने लगा है। ठंडी हवाओं के चलने से अब रात में पारा गिरने लगा है। आने वाले दिनों में प्रदेश के कई शहरों में सर्दी बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को जानकारी दी कि उत्तर भारत में बने पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के पांच शहरों में बारिश दर्ज की गई। वहीं सोमवार को कई शहरों में भारी बारिश का सामना करना पडा।

मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो इस गतिविधि के कारण अभी दिन के तापमान में गिरावट आएगी। हालांकि हवाओं के साथ नमी आने से रात में तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं होगी। 30 नवंबर के बाद एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। ऐसे में दिसंबर के पहले सताह में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना नहीं है। प्रदेश में सबसे ठंडा उमरिया रहा। यहां न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

खरगोन में सबसे ज्यादा बारिश

रविवार को प्रदेश के पांच शहर खरगोन, रतलाम, इंदौर, धार, उज्जैन में बारिश हुई। इस दौरान खरगोन में 24 मिलीमीटर, रतलाम में 18, इंदौर में 7, धार में 7 और उज्जैन में 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। वही सोमवार को दिन के समय हल्की बारिश के साथ शुरूआत हुई और रात के समय कई जिलों में भारी हुई जो मंगलवार सुबह तक जारी रही जिससे कई जिलो में ठंड में बढ़ोतरी हुई। अभी भी कई जिलो में बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने लोगो से अपील की है कि लंबी दूरी की यात्रा करने वाले। अगले 24 घंटे में खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, उज्जैन और देवास में भारी बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा बुरहानपुर, खंडवा, मंदसौर, रतलाम, सीहोर और हरदा में गरज चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया गया है। इसके अलावा भोपाल, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, गुना, राजगढ़, जबलपुर, बैतूल, नीमच, सिवनी, मदमोह, सागर, विदिशा, रायसेन में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

इंतजार बढ़ा रहा नतीजों के प्रति बेचैनी, इस बार सबसे लंबी 16 दिन तक प्रतीक्षा

इस बार चुनाव में खड़े हुए 2533 प्रत्याशियों को नतीजों के लिए भी 16 दिनों का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। यह पिछले पांच चुनावों में सर्वाधिक लंबी प्रतीक्षा है। इस वजह से प्रत्याशियों में नतीजों के प्रति बेचैनी बढ़ती जा रही है।

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के तहत सभी 230 सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान संपन्न हो गया। मतदाताओं ने इस बार वोटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस बार अभी तक का सर्वाधिक 77.15 प्रतिशत मतदान हुआ है। महिलाओं ने भी इस बार सर्वाधिक 76.03 प्रतिशत मतदान कर रिकॉर्ड बनाया। लेकिन इस बार चुनाव में खड़े हुए 2533 प्रत्याशियों को नतीजों के लिए भी 16 दिनों का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। यह पिछले पांच चुनावों में सर्वाधिक लंबी प्रतीक्षा है। इस वजह से प्रत्याशियों में नतीजों के प्रति बेचैनी बढ़ती जा रही है।

पिछले चुनावों में नतीजों के लिए इंतजार को देखें तो वर्ष 1998 और 2003 में मतदान संपन्न होने के तीसरे दिन चुनाव परिणाम घोषित हो गए थे, वहीं 2008 में 11 दिनों तक इंतजार करना पड़ा था। इसके बाद 2013 और 2018 में 13 दिनों का इंतजार करना पड़ा था। लेकिन, इस वर्ष यानी 2023 में तो 16 दिनों के इंतजार के बाद चुनाव परिणाम जानने को मिलेंगे।

दरअसल, चुनाव आयोग द्वारा मप्र के अलावा चार अन्य राज्यों में भी विधानसभा चुनाव साथ साथ कराए जा रहे हैं, इसलिए उसे सुरक्षा बलों की तैनाती और शांतिपूर्वक चुनाव करवाने के सभी इंतजाम करना होते हैं। पांचों राज्यों यानी मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में मतदान संपन्न होने के बाद ही 3 दिसंबर को एक साथ मतगणना करा कर नतीजे घोषित किए जाएंगे। इसलिए इस बार मप्र के नतीजों के लिए 16 दिन का इंजार करना पड़ रहा है। सभी उ मीदवार प्रचार की भागदौड़ और थकावट से पूर्ण मुक्त होकर अब वस्त परिणामों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन जैसे जैसे नतीजों की तिथि करीब आ रही है, उनकी धड़कनें भी बढ़ रही हैं। तीन दिसंबर को उनकी किस्मत का फैसला हो जाएगा।

वनवासी क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को तराशने का एकल अभियान ने उठाया बीड़ा

सिवनी यशोः- एकल विद्यालय अभियान को ज्ञान शिक्षा मंदिर के नाम से जाना जाता है। एकल अभियान के तहत देशभर में आरोग्य योजना, ग्राम विकास, जागरण शिक्षा, संस्कार केंद्र और एकल विद्यालय चलाए जा रहे हैं। एकल विद्यालय वनवासी और पिछड़े क्षेत्र की संपूर्ण विकास की योजना है। जहां आज भी सुदूरवर्ती इलाकों में शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है, ऐसे क्षेत्रों में एकल विद्यालय संचालित कर बच्चों को तीन घंटे की अनौपचारिक शिक्षा गांव के ही युवक और युवतियों द्वारा दी जाती है। अब इस कड़ी में एकल अभियान ने एक और कदम आगे बढ़ाया है। शिक्षा-संस्कार देने के साथ ही एकल अभियान अब वनवासी क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को तराशने का काम करेगा।

इसी के चलते अ युदय यूथ` लब खेल प्रतियोगिता आंचल स्तरीय आंचल बालाघाट में 25 नवंबर से रखा गया जिसमें बैहर बिरसा परसवाड़ा किरनापुर लांजी भानेगांव गढ़ी पांडुतला बिठली लामता सालेटेकरी उकवा सभी ब्लॉकों से सुदूर वनांचल ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर इस खेल में प्रतिभागी बने एवं खेल कुछ इस प्रकार रहा कबड्डी ऊंची कूद लंबी कूद 100 मीटर दौड़ 200 मीटर दौड़ 400 मीटर दौड़ इस प्रकार से सभी ग्रामीण बच्चों को खेल में भागीदारी बनाकर आंचल स्तरीय खेल को संपन्न कर संभाग स्तरीय खेल के लिए बच्चों का चयन किया गया एवं 27 नवंबर को इस खेल प्रतियोगिता का समापन ब्रह्म नाथ के साथ सरस्वती वंदना कर चालू किया गया जिसमें उपस्थित नगर से समिति गण सभी का सहयोग रहा एवं समापन में श्रीमान सुशील जैन जी पूर्व आंचल अध्यक्ष द्वारा एकल अभियान का परिचय एवं अकाल के कार्य का महत्व बहुत कम शब्दों में अच्छी तरह बताया गया कि जहां तक हमारी सरकार की योजनाएं नहीं पहुंची वहां तक एकल अभियान की योजना को कैसे हम उसे ग्राम के बच्चों और वहां के प्रगति के लिए एकल अभियान द्वारा कैसे कार्य करते हैं तत्पश्चात श्रीमान संजय जैन जी द्वारा बताया गया कि अ युदय यूथ ` लब में बच्चों को कैसे खेल खिलाया जाए और आगे संभाग राज्य स्तरीय के लिए बच्चों का चैन कैसे किया जाए उसी के उपरांत एकल अभियान से आए सतपुड़ा भाग अध्यक्ष श्रीमान मनीष अग्रवाल जी द्वारा सभी बच्चों को आभार व्यक्त किया गया एवं आगे के लिए बच्चों का मनोबल बढ़ाने हेतु भाई साहब जी का मार्गदर्शन मिला एवं सभी बच्चों को जो इस खेल में प्रथम आए सभी को पुरस्कार देकर खेल प्रतियोगिता को समापन की ओर संपन्न किया गया ।

नगर से आए समिति गण

श्रीमान वैभव कश्यप जी जिला संघ चालक, श्रीमान अभय सेठिया जी पूर्व आंचल अध्यक्ष वर्तमान संरक्षक, श्रीमान सुशील जैन जी पूर्व आंचल अध्यक्ष, श्रीमान गौरव दुबे जी आंचल बालाघाट अध्यक्ष, श्रीमान विजय अग्रवाल जी अंचल सचिव, श्रीमान संजय जैन जी ग्राम स्वराज प्रभारी, श्रीमान नैनसुख जी संभाग ग्राम विकास प्रमुख, श्रीमान एन आर गर्दे जी पूर्व संच किरणापुर अध्यक्ष, अन्य एवं अन्य समिति पदाधिकारी का भरपूर इस कार्यक्रम में सहयोग मिला एवं आने वाले समय में और बच्चों का चयन हो ऐसी एकल अभियान का उद्देश्य रहा एवं संभाग से कुछ पूर्णकालिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे श्रीमान संदीप चंदनकर संभाग कार्यालय प्रमुख, श्रीमान मनोहर नंदीहा जी संभाग संवाद साहित्य प्रमुख, श्रीमान प्रदुमन झारिया जी संभाग खेल प्रभारी, सुश्री दीपिका पटले जी संभाग हरि कथा योजना प्रमुख एवं आंचल टोली एवं संच टोली के सभी कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

खराब मौसम के बाबजूद भी हजारों भक्तों ने ग्रहण किया महाप्रसाद

सिवनी यशोः- ब्र हलीन द्वारका शारदा एवं ज्योतिष पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी स्वारूपानंद सरस्वती जी महाराज की प्रेरण एवं मार्गदर्शन में नागपुर रोड स्थित ग्राम खैरी के समीप स्थित ग्राम सीलादेही की निरंजन पहाडियों पर उनके परम शिष्य स्व. गोविंद नेमा एवं उनके परिवार सहित नगर के धार्मिक व सामाजिक बंधुओं के सहयोग से मां वैष्णों देवी धाम की स्थापना वर्षों पूर्व की गई थी।

प्राकृतिक पहाडियों को काटकर माता अन्नपूर्णा एवं मां वैष्णोंदेवी की प्रतिमा की स्थापना के उपरांत से ही पहाडियों की इस श्रृंखला में पौधारोपण कर इसे हरा-भरा बनाया जा चुका है, जहां वर्ष भर विभिन्न धार्मिक आयोजन के लिए हजारों श्रृद्धालु दर्शन हेतु पहुंचते है।

पहाडियों पर ही उद्यान का निर्माण कर यहा आंवले का एक विशेष जंगल है जहां आंवला नवमीं के अवसर पर महिलाएं पूजन-अर्चन हेतु आने के साथ ही यहां उत्सव भी मनाया जाता है। विगत 13 वर्षो से मां वैष्णोंदेवी धाम सीलादेही समिति द्वारा अन्नपूर्णा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

वैष्णोदेवी धाम समिति के द्वारा विगत 10 नवंबर को धनतेरस के पावन अवसर पर मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा की स्थापना विधि-विधान के अनुसार प्रकांड पडितों की उपस्थिति में की गई थी, जहां सोमवार 27 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा के दिन तक इस पहाड़ी पर मेले का आयोजन किया गया, मौसम खराब होने के बाबजूद भी सोमवार को हजारों की सं या में ग्रामीण एवं शहरीय नागरिक पहुंचकर दर्शन लाभ करने के उपरांत महाप्रसाद ग्रहण किया।

परंपरा अनुसार कार्यक्रम के सोमवार को 27 नवंबर को प्रात-हवन पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं एवं समिति के माध्यम से 56 भोग का अर्पण मां अन्नपूर्णा को किया गया, इस दौरान देश, प्रदेश एवं जिले की समृद्धि के लिए मां अन्नपूर्णा से कृपा दृष्टि बनाये रखने के लिए समिति द्वारा पूजन-अर्चन किया गया।

दोपहर उपरांत महाप्रसाद में अर्पित किये गये 56 भोग के अलावा दाल-बाफले का वितरण भी उपस्थित समस्त श्रद्धालुओं के लिए हर वर्ष की तरह किया गया। जहां रात्रि तक क्षेत्रीय कलाकरों के माध्यम से संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

सिवनी वन विभाग ने दो तेंदुओं की खाल के साथ तीन लोगों को गिर त में लिया

दोनों खाल 15 लाख रुपए में बेचने की फिराक में थे, वन आवले ने पकड़ा है।

सिवनी यशोः- वन अमले को सूचना मिली थी कि कुछ लोग तेंदुए की खाल बेचने का प्रयास कर रहे हैं। सिवनी वन विभाग एवं छिंदवाड़ा के पूर्व वनमंडल अंतर्गत बटकाखापा रेंज से संयुक्त दल ने तेंदुए की दो खाल सहित 2 लोगो को पकड़ा है। एक एँ टवा वाहन जब्त किया है। मु य वन संरक्षक एसएस उद्दे सिवनी वन वृत्त एवं दक्षिण सामान्य वनमंडल डीएफओ सुदेश महिवाल ने बताया कि उन्हें शिकारियों के संबंध में मुखबिर से सूचना मिली थी। जहां जानकारी छिंदवाड़ा के वन अधिकारियों को देते हुए सिवनी उड़नदस्ता प्रभारी हरवेंद्र बघेल को टीम के साथ मौके पर रवाना किया। और व्यापारी बनकर झांसा देकर उनकी घेराबंदी की गई। वन अमले ने तेंदुआ की खाल बेचने की फिराक में घूम रहे तीन लोगों को खरीददार बनकर उनकी घेराबंदी की।

छिंदवाड़ा के पूर्व बटकाखापा वन परिक्षेत्र के अमले की मदद से सिवनी वन विभाग के उड़नदस्ता ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एँ टवा वाहन में सवार तीन लोगों को छिंदवाड़ा के बांका तिराहे के पास से पकड़ा। उनके पास से तेंदुआ की दो खाल बरामद की है। पूरे मामले की जांच वन विभाग द्वारा की जा रही है।

हाईवे पर भी हेलमेट और सीट बैल्ट की चैकिंग

यातायात विभाग की चालानी कार्रवाई जारी

सिवनी यशोः- जिले भर में पुलिस हेलमेट और सीट बैल्ट के लिए लगातार चैकिंग करते हुए चालानी कार्रवाई कर रही है। प्रमुख चौराहों के अलावा बायपास और हाइवे में पुलिस चैकिंग कर रही है। फोर व्हीलर चालकों को सीट बैल्ट न लगाने और दो पहिया चालकों द्वारा सीट बेल्ट न लगाने पर चालानी कार्रवाई करते हुए शमन शुल्क वसूला जा रहा है। ज्ञात हो कि हाईकोर्ट के निर्देश के बाद पुलिस विभाग ने सभी थाना क्षेत्रों में चैकिंग के लिए निर्देश जारी किए हैं। थानों के सामने ही चैकिंग जिले के कई थाना क्षेत्रों में थाने के सामने ही वाहनों की चैकिंग की जा रही है। इसमें कोतवाली, कान्हींवाड़ा, केवलारी, अरी, लखनादौन, घंसौर के अलावा धूमा थाने के सामने ही वाहनों की चैकिंग हो रही है जबकि अन्य थानों की पुलिस शहर के बाहर प्रमुख चौक चौराहों पर चालानी कार्रवाई कर रही है। बचने के लिए कई बहाने

पुलिस का कहना है कि कई वाहन चालक हेलमेट रखने के बाद भी उसे नहीं लगाते हैं

और बाइक के साइड में बांध देते हैं। पूछने पर बहाने बताते हैं। कई लोग तो घर पर हेलमेट धोखे से भूलने की बात कहते हैं। कई तो चालान से बचने के लिए बीमारी तो कहीं तंगी का बहाना बनाने लगते हैं।

यातायात थाना प्रभारी ब्रजेश उईके ने बताया कि 20 से 25 नवंबर तक हेलमेट न लगाने वाले 175 बाइक सवारों पर चालानी कार्रवाई कर 52 हजार रुपए और 178 लोगों को सीट बेल्ट न लगाने पर 89 हजार और दीगर के 19 प्रकरणों में 14 हजार का शमन शुल्क वसूल किया गया है।

चार दिनो से लापता हुए युवक का बैनगंगा नदी में मिला शव

छपारा यशोः- नगर के अब्दुल कलाम वार्ड अंतर्गत पिंजारी मोहल्ला से लापता हुए युवक का शव सोमवार को बैनगंगा नदी में मिलने वाले मोती नाला के पास उतराते मिला।

परिजनो और वार्ड वासियों से मिली जानकारी के अनुसार छ्पारा नगर के पिंजारी मोहल्ले से चार दिन पूर्व रात्रि के समय गुम हुए लगभग 30 वर्षीय युवक सैयद अली का शव वैनगंगा नदी में मोती नाला के पास मिला, लोगों के द्वारा देखने के बाद तत्काल परिजनो सहित पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस द्वारा शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

सिवनी यशोः- सिवनी से अमरवाड़ा रोड पर निर्माणाधीन पुलिया से टकराने पर जहां एक व्यक्ति की हाल ही में मौत हुई, वही उक्त घटना को बीते अभी 24 घंटे भी नहीं हुए की रविवार की शाम 4:30 बजे भैरोगंज-लोनिया बायपास पुल के समीप 40 वर्षीय फूलचंद उइके पिता सुखमन उइके की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। छह बच्चों के पिता की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की शाम 4:30 बजे फूलचंद उइके बाइक से सिवनी से वापस अपने गांव जा रहे थे। जब वे भैरोगंज से आगे गांव लोनिया के समीप नए बायपास पुल के पास से बाइक से गुजर रहे थे तभी तेज र तार से जा रहे एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया, जिससे गंभीर रूप से घायल फूलचंद की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि फूलचंद के छः मासूम बच्चे हैं, जिसमें चार लड़कियां व दो लड़के हैं। मजदूरी करके अपने परिवार के भरण-पोषण करने वाले फूलचंद उइके की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मातृशक्ति संगठन ने दी वीर सपूतो को श्रद्धांजली

सिवनी यशोः- 26/11 आतंकी हमले में अपनी जान गवाने वाले निर्दोष नागरिक व मां भारती की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों को शत शत नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई

प्रति वर्ष अनुसार मातृशक्ति संगठन , यूथ विंग समर्पण युवा संगठन द्वारा हमारे जिले सिवनी में आयोजित विगत 16 वर्षो से आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम ÷शौर्य का स मान÷ जिसमें भारत के अनेकों राज्यों से आने वाले वीर शहीदों के परिजनों का स मान समारोह 26/11 को ही किया जाता रहा है परंतु आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए यह कार्यक्रम 26/12 (26 दिसंबर) को आयोजित किया जायेगा।

ऐतिहासिक सासाहिक ग्यारस मेले में रोज पहुंच रहे हजारों लोग

लखनादौन में बना आनंद उत्सव का वातावरण

लखनादौन यशोः- नगर परिषद लखनादौन के नगर के अंदर राम मंदिर प्रांगण से होते हुए आज युनिसिपल ग्राउंड में अनेकों वर्षो से चली आ रही ऐतिहासिक ग्यारस मड़ई-मेला अब और भी भव्य एवं दिव्य रूप धारण करते जा रहा है और 3 दिन की मड़ई से आज सप्ताह से अधिक 10 दिनों तक का मेला का भव्य रुप बन गया है, और भव्यता ऐसी जहां क्षेत्र के हजारों लाखों लोग रोज मेले का आनंद उठा रहे हैं,ऐतिहासिक मेले में अनेकों प्रकार के झूले दूर दराज के क्षेत्रों से एवं अन्य बड़े शहरों से आई दुकानें मेले को पूर्णता दे रही हैं, वहीं बर्तन की दुकान लावर एवम घरेलू साज सज्जा,खासकर छोटे बच्चों के आकर्षक खिलौने,मीठा मिष्ठान जिनमें गुड़- मेंदे की जलेबी का स्वाद ही अनूठा एवम अविष्मरणीय होता है,ठंड को देखते हुए गर्म कपड़े,जरकिन शॉल की दुकानें, चाट - चौपाटी की दुकाने जिनमें अनेकों प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन, पारंपरिक पिढ़ी- सिंघाड़े एवम सब्जियां एवं ऐसी अनेकों प्रकार की दुकानें मेले को और भी भव्य बना रही हैं जहां शहर एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्र के लोग पहुंचकर खरीदारी भी कर रहे हैं जिसमें प्रत्येक वर्ग के छोटे- बड़े, पुरुष एवम महिलाएं सुबह से लेकर रात्रि के लगभग 12 बजे तक लगातार हजारों की सं या में लोग मेले में पहुंचकर मेले का आनंद ले रहे हैं दूसरी तरफ नगर परिषद के द्वारा मेले को कर मुक्त किया गया है ताकि व्यापारी वर्ग को किसी प्रकार की वसूली से निजात मिल सके और सभी व्यापारी हंसी खुशी अपने व्यापार का संचालन करें। मेले में हाईस्कूल प्रांगण प्रमुख मार्ग के दोनों और पार्किंग व्यवस्था,साफ सफाई पेयजल एवम दुकानों की व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाएं लगातार दी जा रही हैं, प्रमुख मार्गों पर विद्युत पोलों में लगी रंगीन लाइट अलग ही छटा बिखेर रही हैं,मेले की शुरुआत के पहले ही नगर परिषद के द्वारा नवीन सड़कों को चौड़ीकृत करके रोड आवागमन को सुगम बना रहा है सासाहिक ग्यारस मेले में आनंद उत्सव का वातावरण लखनादौन नगर परिषद के तत्वाधान में बना हुआ है,जिसमें नगर की जनता का हर प्रकार से सहयोग मिल रहा है।

नगर के ऐतिहासिक मेले में प्रमुख रूप से नगर परिषद अध्यक्ष एवम समस्त पार्षदों का,प्रशासन का मेले के संचालन में सहयोग बना हुआ है।

वन्य प्राणियों की गणना के दौरान मिली वर्षों पुरानी रॉक पेंटिंग

बिहार से आए ट्रेनी वन रक्षक रोहित कुमार, चौकीदार बाली ढीकू, वालिंटियर विनय सराठे की टीम को 274 कक्ष क्रमांक पनारा बीट में एक पहाड़ी पर राक पेंटिंग देखने को मिली है। सतपुड़ा की वादियों में आज भी कई वर्ष पुराने इंसानों के होने के प्रमाण मौजूद हैं।

सोहागपुर। सतपुड़ा की वादियों में चल रही छह दिवसीय मांसाहारी और शाकाहारी वन्य प्राणियों की गणना के दौरान कई वर्ष पुरानी राक पेंटिंग भी देखने को मिली है। सोमवार को पनारा कैंप में गणना कर रहे बिहार से आए ट्रेनी वन रक्षक रोहित कुमार, चौकीदार बाली ढीकू, वालिंटियर विनय सराठे की टीम को 274 कक्ष क्रमांक पनारा बीट में एक पहाड़ी पर राक पेंटिंग देखने को मिली है।

कई स्थानों पर राक पेंटिंग

चौकीदार ने बताया कि सतपुड़ा के जंगलों में कई स्थानों पर इस तरह की रॉक पेंटिंग है। झुन झुननी महल फायर लाइन के पास, रीक्ष पानी नाले के पास, चूरना गुंदी, रामशाही, वाचटावर के पास सहित कोर क्षेत्र में कई स्थानों पर राक पेंटिंग मौजूद हैं।

सतपुड़ा में मिलते हैं कई वर्षों के प्रमाण

सतपुड़ा की वादियों में आज भी कई वर्ष पुराने इंसानों के होने के प्रमाण मौजूद हैं। जहां अभी चारों ओर जंगल हैं, वहां कभी इंसान भी रहते थे। जंगल में पहड़ियों पर उकेरी गई राक पेंटिंग में दिख रहा है कि पहले लोग किस तरह जंगल में रहते थे और उनका जीवन किस तरह का होता था। गणना के दौरान मिली राक पेंटिंग में दिखाया गया है कि जंगल में पहले जो लोग रहते थे, वे हाथी, घोड़े की सवारी करते थे। हाथ में भाला, बरछी, तीर-कमान लेकर जानवरों का शिकार करते थे। बताया जाता है कि चूरना गुंदी में जो राक पेंटिंग मिली है, वह सबसे ज्यादा साफ और सुंदर है। इसमें हाथी, घोड़े पर बरात को दर्शाया गया है। ज्यादातर पेंटिंग में शिकार करते हुए दिखाया गया है।

किले की दीवारों के साथ पुराने मंदिर भी मौजूद

सतपुड़ा के जंगल में आज भी महल की दीवारों के साथ मंदिर के प्रमाण हैं। विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, पट्टन के पास पहाड़ियों पर किला हुआ करता था,` योंकि किले का प्रमाण उसकी दीवार के पत्थरों से मिलता है। इसी तरह उस समय भी लोग धर्म में आस्था रखते होंगे, इसलिए ढाबा कैंप के पास झुन झुननी महल के नाम से एक मंदिर आज भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

सावन-भादों की तरह कार्तिक मास में भी नगर भ्रमण पर निकले महाकाल, भक्तों ने किया जोरदार स्वागत

उज्जैन। सावन महीने की तरह ही कार्तिक माह की पूर्णिमा द्म के दिन बाबा महाकाल रजत पालकी में विराजित होकर प्रजा का हाल जानने निकले। शाही ठाठ से नगर भ्रमण पर निकले बाबा महाकाल ने मनमहेश स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए। इसके बाद क्षिप्रा नदी पर भक्तों ने दीप दान का पर्व मनाया।

श्रावण-भाद्रपद माह की तरह श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक माह में दूसरी सवारी सोमवार सायं 4 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर से निकली। जिसके पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर सभामण्डप में भगवान श्री महाकालेश्वर भगवान का विधिवत पूजन अर्चन किया गया। पूजन शासकीय पुजारी धनश्याम शर्मा द्वारा किया गया।

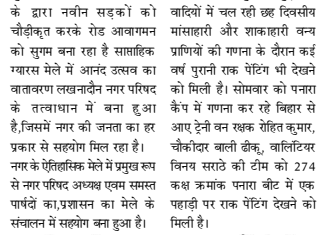

दरअसल, कार्तिक माह की दूसरी सवारी कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को महाकालेश्वर मंदिर से प्रारंभ हुई। सवारी से पूर्व बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन सभामंडप में किया गया। जिसके बाद शाही ठाठ से बाबा महाकाल अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकले। बाबा महाकाल ने मनमहेश स्वरूप में अपनी प्रजा को दर्शन दिए।

पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

मंदिर के मु य द्वार पर पहुंची पालकी में विराजित भगवान को पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर सलामी दी। कार्तिक माह की दूसरी सवारी विधिवत पूजन-अर्चन के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए रामघाट क्षिप्रा तट पर पहुंची। जहां पर भगवान श्री महाकालेश्वर का मां क्षिप्रा के जल से अभिषेक किया गया। पूजन-अभिषेक के पश?चात सवारी रामघाट से गणगौर दरवाजा, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी चौराहा होते हुए वापस महाकालेश?वर मंदिर पहुंची।

हार फूलों से भक्तों ने किया स्वागत

पूरी सवारी के दौरान सवारी मार्ग पर बाबा महाकाल की एक झलक पाने को आतुर खड़े श्रद्धालुओं ने बाबा की पालकी आते ही हार फूल माला से भव्य स्वागत किया। इस दौरान पूरा सवारी मार्ग जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो उठा। भगवान श्री महाकालेश्वर का सवारी मार्ग पर खडें श्रद्धालुओं ने सुगमता से दर्शन का लाभ भी लिया।

यह रहे आकर्षण का केंद्र

भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी के साथ चल रहे आगे-आगे तोपची कड़ाबीन के माध्यम से राजाधिराज के आगमन की सूचना देते हुए चल र?हे थे। सवारी के साथ मंदिर के पुजारी एवं पुरोहित, पुलिस बैंड, घुडसवार दल, सशस?त्र पुलिस बल के जवान, भजन मंडलियां व धर्मपरायण जनता भगवान श्री महाकालेश्वर का गुणगान करते चल रहे थे जो कि आकर्षण का केंद्र बने हुए थे।

श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक अगहन (मार्गशीर्ष) माह में निकलने वाली सवारी अगहन माह की प्रथम सवारी 04 दिस बर को निकाली जावेगी।

चुनाव ड्यूटी से गायब रहे कर्मचारियों पर लटकी निलंबन की तलवार, नहीं चलेगी कोई सफाई

भोपाल। विधानसभा चुनाव में ड्यूटी न करना कर्मचारियों को भारी पड़ सकता है। जिला प्रशासन ने ऐसे कर्मचारी अधिकारियो की सूची बना ली है और अब इन पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

चुनाव ड्यूटी से नदारद रहने वाले करीब एक हजार अधिकारी कर्मचारियों की अब खैर नहीं। भोपाल कले टर ने इन सभी के खिलाफ स त कार्रवाई करने का मन बना लिया है। इन सभी पर अब निलंबन की तलवार लटक रही है। इतना ही नहीं इनकी ओर से पेश किसी प्रकार की कोई सफाई भी नहीं सुनी जाएगी। ये सभी वे अधिकारी कर्मचारी हैं जिनकी ड्यूटी चुनाव में लगाई गई थी। लेकिन इन्होंने न ट्रेनिंग की न चुनाव में ड्यूटी। ये सभी अपनी ड्यूटी से गैर हाजिर रहे। ऐसे में इनके खिलाफ निलंबन जैसी कड़ी कार्रवाई होना तय माना जा रहा है। बता दें, भोपाल जिले में सात विधानसभा सीटें हैं। इस बार भोपाल जिला प्रशासन ने करीब 18 हजार कर्मचारियों-अधिकारियों की ड्यूटी चुनाव में विभिन्न कामों में लगाई थी।

प्रशासन ने की सूची तैयार

इधर, प्रशासन ने ऐसे सभी अधिकारी कर्मचारियों की सूची तैयारी का ली है, जिन्होंने चुनाव में अपने दायित्व का निर्वहन नहीं किया। जानकारी के मुताबिक ऐसे करीब एक हजार लोगों को चिन्हित किया गया है। इनमें अधिकारी और कर्मचारी दोनों शामिल हैं। इन्होंने न तो अपनी अनुपस्थिति का कारण बताया और न ही गैर हाजिर रहने के लिए किसी प्रकार की कोई अनुमति ली।

इन पर हो चुका है ए शन

जानकारी के मुताबिक अब तक 100 से अधिक बीएलओ पर जिला प्रशासन पहले ही कार्रवाई कर चुका है। इनमें अनुपस्थित रहने वाले और काम में लापरवाही करने वाले बीएलओ शामिल हैं।

वेयर हाउस को बनाया गया धान खरीदी केंद्र

किसानों ने कहा नहीं रखा गया मापदंड का ध्यान की गई शिकायत

मंडला यशोः- किसानों की सुविधा , दूरी , वाहन पार्किंग आदि मापदंडों का ध्यान रखकर धान खरीदी केंद्र पूर्व में बनाए गए थे किन्तु अब मापदंडों का ध्यान नहीं रखा जा रहा है मनमाने धान खरीदी केन्द्रों का स्थान बदल कर वेयर हाउस संचालकों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से वेयर हाउस में ही खरीदी केंद्र बनया गया है , ऐसा आरोप लगाते हुए हिरदेनगर सहकारी समिति क्षेत्र के युवा किसानों द्वारा शिकायत करते हुए बताया गया कि ग्राम पदमी व मधुपुरी में सुविधायुक्त धान खारीदी की जाती रही है द्व परन्तु अब पद्मी के स्थान पर भापसा तथा मधुपुरी के स्थान पर गुडाअंजनिया वेयर हाउस में धान खरीदी केंद्र बनाया जा रहा है जिससे किसानों को असुविधा का सामना करना पडेगा द्व पीड़ित कृषकों को जि मेदारों से मांग की गई है कि उक्त पुराने स्थानों में धान खरीदी की जाए द्व

नगर मे धूम - धाम से बनाया गया प्रकाश पर्व और गुरु नानक जयंती , समाज व प्रशासन द्वारा किये गये अनेक आयोजन

रपटाघाट में आयोजित किया गया नर्मदा महोत्सव श्रृंखला कार्यक्रम ,पाँच राज्यों से आए कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियाँ

मंडला यशोः- सोमवार की रात्रि को स्थानीय रपटाघाट में नर्मदा उत्सव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्तर मध्य क्षेत्र प्रयागराज एवं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पाँच राज्यों से आए यातिलब्ध कलाकारों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह, डिप्टी कले टर एलएस जगेत, परियोजना अधिकारी जिला पंचायत कपिल तिवारी सहित अन्य अधिकारी तथा बड़ी सं या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रस्तुत किए मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यक्रम में दुर्ग छत्तीसगढ़ से आए रेणु साहू एवं साथियों द्वारा द्रोपती चीर हरण पर आधारित पंडवानी की प्रस्तुति दी गई। रोहतक हरियाणा के सुनीता गुर्जर एवं साथियों ने शिव स्तुति तथा फाग नृत्य प्रस्तुत किया। चमोली उत्तराखण्ड के दिनेश कुमार एवं साथियों द्वारा छपेरी नृत्य किया गया। कार्यक्रम में मथुरा के उमाशंकर देशला एवं साथियों द्वारा मयूर नृत्य, लट्ठमार होली सहित ब्रज के लोकनृत्य प्रस्तुत किए गए। बुंदेलखण्ड के संतोष पांडे एवं साथियों ने राई नृत्य किया। बाड़मेर राजस्थान के शकूर खान एवं दल द्वारा राजस्थान का प्रसिद्ध घूमर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में स्थानीय कलाकार अदिति हरदहा द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

नर्मदा उत्सव पर लें जल संरक्षण का संकल्प

कार्यक्रम का शुभारंभ सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे प्रमुख आवश्यकता है। प्रत्येक संस्कृति का उदगम जल से ही होता है। नर्मदा उत्सव के माध्यम से आमजन को नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने तथा उनके जल को संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। श्री कूमट ने उपस्थित दर्शकों से जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने का आव्हान किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अखिलेश कछवाहा ने किया।

सिख समाज द्वारा धूम -धाम से मनाई गई गुरु नानक जयंती , वाहेगुरु के जयकरों से गूँजा नगर

सिख समाज द्वारा गुरु नानक जयंती हर वर्ष की तरह हर्षोउल्लास से बनाई गई । इस अवसर पर महाराजपुर स्थित गुरुद्वारे मे विभिन्न आयोजन किये गये । सर्वप्रथम प्रथना की गई इसके बाद लंगर का आयोजन किया गया। इस आयोजन मे सिख समाज के लोगो के साथ ड्ड साथ हिन्दू समाज के लोगो ने भी हर्षोउल्लास के साथ हिस्सा लिया । इसके बाद शाम के समय अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन किये गये जो आकर्षण का केंद्र बने रहे ।

डिसप्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किये जायेंगे राउंडवार मतगणना के परिणाम

मंडला यशोः- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार विधानसभा चुनाव की मतगणना के प्रत्येक राउंड के ईव्हीएम के मतों की गिनती के परिणाम को गणना कक्ष के डिसप्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा, उसके बाद अगले दौर के मतों की गणना शुरू की जाएगी। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक राउण्ड की समाप्ति पर ईवीएम मशीनों से की गई मतगणना के परिणामों की प्रेक्षक और संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर कर घोषणा की जाएगी। इसके साथ ही घोषणा को मतगणना कक्ष में स्थापित डिसप्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा। निर्वाचन आयोग के अनुसार राउण्डवार मतगणना परिणाम की पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से उद्घोषणा की जायेगी।

मतगणना दल का प्रशिक्षण आज

सिवनी यशोः- विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत आगामी 03 दिस बर होने वाली मतगणना को लेकर विभिन्न विभागों के कुल 445 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक, माईक्रो ऑब्जर्वर के रूप में लगाई गई है। इन अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण बुधवार को प्रात- 11 बजे से नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर में रखा गया है।

नवयुवक एवं महिला मंडल ने लाल साई का किया भव्य स्वागत

मंडला यशोः- सिंधी समाज के प्रमुख धर्मगुरु भगवान झूलेलाल के उपासक चकरभाटा बिलासपुर के आश्रम में विराजने वाले धर्मगुरु श्री लाल साई जी महाराज का मण्डला आगमन हुआ। यहां पूज्य सिंधी पंचायत सिन्धु नवयुवक मंडल एवं सिंधू मंडल ने गुरुद्वारा परिसर में पुष्पवर्षा करते हुए उनका भव्य स्वागत किया। उनके आगमन पर सिंधी समाज में गजब का उत्साह भी देखा गया। यहां समाजिक बंधुओं ने उनका आर्शीवाद लिया। इस दौरान नवयुवक मण्डल अध्यक्ष आकाश क्षत्री ने बताया कि लाल साई के आगमन के दौरान समाजिक लोगो ने गुरु जी के आशीर्वचन से संगत का मन प्रफुल्लित किया। यहां समाज के मुखिया गोवेर्धन दास जगतराज अगवानी, श भू जेठमलानी, गुलशन वरदानी, गणेश जसवन्नी, रोचिराम गुरबानी, सुशील पमनानी, घनश्याम गिलानी, राजा असरानी, भाईसाहब उदासी, हरिश गुरबानी, हैप्पी पमनानी, मंनोहर ककवानी, मुकेश रेहड़वानी, महिला मण्डल से मोना उदासी, हिताली मूलचंदानी, सरोज असरानी, सरोज बसंतानी पुष्प भेंट कर आशिर्वाद लिया।

मतगणना की समस्त तैयारियों को अंतिम रूप दें - डॉ. सिडाना

नोडल अधिकारियों की बैठक में कले टर के निर्देश

मंडला यशोः- विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के तहत जिले के बिछिया, निवास तथा मंडला विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना 3 दिसंबर को शासकीय पॉलीटेर्ि नक महाविद्यालय में की जाएगी। इस संबंध में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने जिला योजना भवन में सभी नोडल अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि मतगणना संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप दें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट, अपर कले टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कले टर अरविंद सिंह, सीएल वर्मा, हुनेन्द्र घोरमारे सहित संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर उपस्थित थे। बैठक में कले टर ने मानव संसाधन, मीडिया रूम, सीलिंग, पोस्टल बैलेट, स्ट्राँग रूम मैनेजमेंट, ईव्हीएम मैनेजमेंट, लॉ-एण्ड ऑर्डर, वेलफेयर मैनेजमेंट, विद्युत व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, वीडियोग्राफी एवं सीसीटीव्ही कार्य आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देशित किया कि मतगणना के लिए नियत स्थल शासकीय पॉलीटेर्ि नक कॉलेज परिसर में मोबाईल फ़ोन का उपयोग वर्जित रहेगा। सभी नियुक्त अधिकारी, कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा। डॉ. सिडाना ने रिटर्निंग ऑफिसर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि मतगणना के लिए प्रत्याशियों द्वारा अधिकृत अभिकर्ताओं को फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी करें।

नगर/ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों की मदद से सहस्त्रधारा मड़ई में गुम हुई दो बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द की गई

मंडला यशोः - हस्त्रधारा मड़ई में दो बच्ची गुम हो गई थी जिसको नगर/ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों द्वारा खोजकर उनके परिजनों को उनके सुपुर्द किया जिसमें से एक बच्चा हर्ष वरकड़े पिता सुकरचंद वरकड़े उम्र 4 वर्ष निवासी बड़ी गौंझी, दूसरी बालिका रिया मरावी पिता दीपचंद मरावी अरोली टाटरी चौकी जो मंडला सहस्त्रधारा मड़ई में गुम हो गई थी इन दोनों गुम हुए बच्चों को नगर/ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों के परिजनों के द्वारा उनके परिजनों के सुपुर्द की गई दोनों बच्चों के परिजनों ने नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया एवं दोनों बच्चों के परिजन अपने-अपने बच्चों को पाकर खुश हुए।

रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 1 वाहन जब्त

मंडला यशोः- खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम हेतु मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में खनिज विभाग मण्डला द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन तथा अवैध भण्डारण के विरुद्ध सतत् रूप से कार्यवाहियां क़ी जा रही हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में 25 नव बर को रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त एक वाहन 709 क्रमांक एमपी 51 जी 1277 को खनिज विभाग द्वारा जब्त किया गया। उक्त संलिप्त वाहन को जब्त कर शासकीय अभिरक्षा में संबंधित थाना ब हनी की सुपुर्दगी में दिया गया। उक्त वाहन के विरूध म0प्र0 खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत् प्रकरण दर्ज कर कले टर न्यायालय प्रेषित किया जा रहा है।

तेंदुआ की दो खालें 15 लाख रुपये में बेच रहे तीन शिकारी गिर तार

***छिंदवाड़ा के पूर्व वनमंडल अंतर्गत बटकाखापा रेंज से गिर तारी।**
***तेंदुआ की दो खालें और एर्टिवा वाहन किया गया जब्त।**
***शिकारियों के संबंध में रविवार को मुखबिर से मिली सूचना।**

सिवनी यशोः- दो तेंदुआ खाल 15 लाख रुपये बेचने की फिरार में घूम रहे तीन शिकारियों को सिवनी वन विभाग की अधिकारियों को मिली गोपनीय सूचना के बाद छिंदवाड़ा के पूर्व वनमंडल अंतर्गत बटकाखापा रेंज से संयुक्त दल ने रविवार-सोमवार तीन आरोपितों को तेंदुआ की दो खाल और एर्टिवा वाहन समेत गिर तार किया है।

शिकारियों के संबंध में रविवार को मुखबिर से मिली सूचना

सिवनी वन वृत्त के मु य वन संरक्षक एसएस उद्दे, दक्षिण सामान्य वनमंडल डीएफओ सुदेश महिवाल को शिकारियों के संबंध में रविवार को मुखबिर से मिली सूचना की जानकारी छिंदवाड़ा के वन अधिकारियों को देते हुए सिवनी उड़नदस्ता प्रभारी हरवेंद्र बघेल को टीम के साथ मौके पर रवाना किया।

व्यापारी बनकर झांसा देकर उनकी घेराबंदी की

वन अमले ने तेंदुआ की खाल बेचने की फिराक में घूम रहे तीन शिकारियों को व्यापारी बनकर झांसा देकर उनकी घेराबंदी कर दी। छिंदवाड़ा के पूर्व बटकाखापा वन परिक्षेत्र के अमले की मदद से सिवनी वन विभाग के उड़नदस्ता ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर एर्टिवा वाहन में सवार तीन आरोपितों को छिंदवाड़ा के बांका तिराहे के पास से हिरासत में लेकर उनके कब्जे से तेंदुआ की दो खाल बरामद की है। प्रकरण विस्तृत जांच की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 40 वर्षीय फूलचंद की मौत

सिवनी यशोः- सिवनी जिला मु यालय से मुगवानी मार्ग पर एक सड़क हादसे सोमवार को एक युवक की मौत हो गयी । प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंगवानी मार्ग पर लोनिया बाइपास पुल के पास सोमवार को शाम के समय फूलचंद उइके पिता सुखमन उइके बाइक से सिवनी आ रहा था, जिसे तेज र तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी हादसे में 40 वर्षीय फूलचंद गंभीर रूप से घायल हो गया । स्थानीय व्यक्तियों ने फूलचंद को गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सलय लाया गया जहाँ डो टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।

जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस पहुँची जो घटना की जाँच में जुटी है ।

नर्मदा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को मिशन स्कूल में

सिवनी यशोः- कले टर श्री क्षितिज सिंघल के मार्गदर्शन में उत्तर मध्यक्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज के तत्वाधान में एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत नर्मदा उत्सव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 30 नव बर 2023 को समय शाम 06 बजे से मिशन स्कूल ग्राउण्ड सिवनी में आयोजित किया गया है। उपसंचालक समाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री वीरेश सिंह बघेल ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के लोक गायन व लोक नृत्यों की मनमोहन प्रस्तुतियां प्रस्तुत दी जावेगी। जिसमें छत्तीसगढ के पाण्डवनी गायक रेणु साहू एवं दल दुर्ग छत्तीसगढ , राजस्थान के लोकनृत्य श्री शकूर खान एवं दल बाउमेर राजस्थान, हरियाणा के लोकनृत्य सुश्री सुनीता गुर्जर एवं दल रोहतक हरियाणा उत्तराखण्ड के लोकनृत्य श्री दिनेश कुमार एवं दल चलोली उत्तराखण्ड एवंब्रज के लोकनृत्य श्री उमाशंकर देशला एवं दल मथुरा उत्तरप्रदेश शामिल है।

मु य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी श्री पवार नवजीवन विजय द्वारा कार्यक्रम में समस्त कलाप्रेमियों एवं जनसामान्य से उपस्थिति की अपील की गई है।

भोपाल में 5वीं तक स्कूल 9 बजे के बाद लगेंगे, ठंड को लेकर कले टर का आदेश

भोपाल। एक साथ कई मौसम प्रणालियों सक्रिय होने के कारण मध्य प्रदेश का मौसम बदला हुआ है , प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है जिसने ठंडक बढ़ा दी है, सुबह के समय अभी से ही ठिठुरन का अहसास होने लगा है, राजधानी भोपाल में तापमान में गिरावट के चलते और सर्द हवाओं के चलने के कारण कले टर ने स्कूलों बच्चोंको लेकर एक बड़ा फैसला लिया है,कले टर ने पांचवी तक के स्कूलों का समय 9 बजे के बाद का निर्धारित कर दिया है।

हालाँकि ये बारिश मावठा (मावठ) की होने के कारण किसानों के लिए वरदान है लेकिन इसके कारण बढ़ी सर्दी बच्चों और बुजुर्गों के लिए परेशानी पैदा करने वाली है, मौसम के हालात को देखते हुए भोपाल कले टर आशीष सिंह ने स्कूली बच्चों के लिए आज एक आदेश जारी किया है।

सुबह 9 बजे से पहले नहीं खुलेंगे पांचवी तक के स्कूल

कले टर आशीष सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि भोपाल जिले में शीतकालीन मौसम शुरू होने और तापमान में गिरावट को देखते हुए स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए जिले में संचालित नर्सरी से कक्षा पांचवी तक के सभी स्कूल और शैक्षणिक संस्थाएं सुबह 9 बजे से पहले संचालित नहीं होंगी यानि पांचवी तक के सभी स्कूल कल बुधवार से सुबह 9 बजे के बाद ही ओपन होंगे।

इंदौर से हैदराबाद तक का सफर होगा आसान, अकोला हाइवे जुड़ने से दस घंटे में होगा सफर

भोपाल। बुरहानपुर से अकोला को जोड़ने के लिए 67 किलोमीटर की फोरलेन सड़क तैयार हो रही है। इसके बनने से इंदौर से सीधे हैदराबाद की कने टविटी हो जाएगी, योकि इंदौर इच्छापुर हाइवे बुरहानपुर से होकर अकोला से सीधे जुड़ जाएगा और अकोला से हैदरबाद के लिए पहले ही ऐ सप्रेस हाइवे आकार ले रहा है।

पहले खंडवा-बुरहानपुर से होकर अकोला जाने में 237 किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ती थी, लेकिन 67 किलोमीटर सड़क का हिस्सा तैयार होने से यह दूरी घटकर 146 किलोमीटर कम हो जाएगी। इसके बाद नार्थ-साउथ कॉरिडेार का रोड नेटवर्क मजबूत हो जाएगा।

कोटा, इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर, इच्छापुर, अकोला से हैदराबाद जुड़ जाएगा। इस सड़क का दौरा इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने किया। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर से अकोला तक सड़क बनने का फायदा इंदौर को भी होगा। अभी सड़क मार्ग से हैदराबाद तक जाने में 20 से 25 घंटे लग जाते है, लेकिन फोनलेन कने टविटी से आठ से दस घंटे में इंदौर से हैदराबाद आ जा सकेंगे। फिलहाल इंदौर से हैदराबाद की दूरी 800 किलोमीटर है, लेकिन बुरहानपुर में तैयार हो रहे फोरलेने के कारण यह दूरी 50 किलोमीटर घट जाएगी। इससे सफर और आसान हो जाएगा।

व्यापार के लिए फायदेमंद

नेशनल हाइवे रोड कने टविटी से व्यापार को भी फायदा होगा। बुरहानपुर केला उत्पादन क्षेत्र है। केले व अन्य फल आसानी से साऊथ की मंडियों कर पहुंचाए जा सकेंगे। एक से दो दिन के भीतर फल साऊथ में भेजे जाने से वे खराब भी जल्दी नहीं होंगे। समय के साथ ईंधन की भी बचत होगी। 60 लीटर डीजल की बचत होगी।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati. com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-4ड्डह्यश्च्ड्डह्लद्बञ्चद्दद्वड्डद्बद्य.ष्श्वद्व न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297